ries are pending finalisation in the Office of Development Commissioner (Handicrafts). The dates from which these are pending are as under:—

Sl. No.			Dale from touch pending
1.			. 23-4-85
2.			. 25-9-85
3.			. 3-3-86
4.			. 4-8-86
5.			22-9-87
6.			. 23-9-87
7.			. 23-9-87
8.			12-1-88
9			. 12-1-88
10.			. 12-1-88
11.			. 12-1-88
12.			12-4-88
13.			. 4-10-88
14.			. 4-10-88
15.			25-10-88
16.			. 28-10-88
17.			. 21-11-88
18.	.		. 17-5-89
19.	•		. 26-10-89
20.			. 8-11-89
21.	•		12-12-89

(b) The reasons for dealy on the departmental enquiries includes:

1. Pending concurrence of UPSC for imposition of penalties

2. Enquiry proceedings in progress with Central Vigilance Commission

3. Changes in Enquiry Officers due to unavoidable reasons such as transfer, retirement, etc.

4. Request for time and opportunity by Charged Officers.

5. Examination of witnesses and completion of *quasi-judicial* formalities.

Yes Sir, it is ensured that no charged officials are harassed by Enquiry Officers.

(c) Pending cases are periodically reviewed and Enquiry Officers reminded to finalise the enquiries within the stipulated period.

मिश्र धातु इस्पात संयंत्र दुर्गापुर द्वारा गैर सरकारी क्षेत्र से कार्य का आवंटन

1864. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मिश्र धातु इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के प्रबंधन बोकारो इस्पात संयंत्र से लाए गए स्क्रैप के प्रसंस्करण का कार्य केन्द्रीय सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम फैरो स्क्रैप निगम से न कराकर बोकारो स्थित एस. आर. सिंडीकेट नामक एक गैर-सरकारी फर्म से कराते हैं जबकि इस निगम के पास प्रसंस्करण के लिये बेहतर मशीनें और पर्याप्त जनशक्ति है और इस समय उसके पास काम की कमी भी है; और

(ख) यदि उपर्युक्त भाग (क) का उत्तर "हां" में हो, तो सरकार मिश्र धातु इस्पात संयंत्र के प्रबंधकों के विरुद्ध क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

इस्पात और खान मंत्री साथ में विधि और न्याय मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री दिनेश गोस्वामी) : मिश्र इस्पात कारखाना, दुर्गापुर को फरवरी, 1986 के दौरान बोकारो इस्पात